Dainik Bhaskar (Indore), 25th September 2020, Page-3

एग्जाम अपडेट • आईआईटी इंदौर के ऑब्जर्वर्स रखेंगे गड़बड़ी पर नजर, भीड़ कम करने केंद्र बढ़ाने की मांग

आईआईटी इंदौर को भी जेईई एडवांस्ड की जिम्मेदारी, पहली बार 15 सेंटर पर होगी परीक्षा

भास्कर संवाददाता | इंदौर

जेईई एडवांस्ड परीक्षा के आयोजन में आईआईटी इंदौर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कोरोना के चलते विशेष सतर्कता बरती जा रही है। पिछले साल परीक्षा के लिए शहर में 15 केंद्र बनाए हैं। इसके पीछे कारण सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना भी है। केंद्रों की संख्या बढ़ने के कारण ज्यादा सतर्कता बरतना होगी। इसके लिए आयोजक संस्थान आईआईटी दिल्ली ने आईआईटी इंदौर के प्रोफेसर्स को ऑब्जर्वर के रूप में नियुक्त किया है। ये ऑब्जर्वर रविवार को होने वाली परीक्षा में गोपनीयता, कोरोना गाइडलाइन और नकल रोकने के नियमों का पालन भी सुनिश्चित करवाएंगे। सभी ऑब्जर्वर परीक्षा से एक दिन पहले केंद्रों पर मीटिंग लेंगे, जिसमें परीक्षा के नियमों की जानकारी केंद्र के कर्मचारियों को दी जाएगी।

दोनों शिफ्ट में कॉमन होंगे प्रतिभागी

आईआईटी ने जेईई एडवांस्ड के लिए 15 परीक्षा केंद्र बनाए हैं। इससे पहले अधिकतम छह केंद्रों पर ही परीक्षा होती थी। कई केंद्रों पर तो महज 40 से 50 प्रतिभागी ही परीक्षा में शामिल होंगे। जानकारों के अनुसार सुबह परीक्षा देने वाले प्रतिभागी दोपहर के सत्र में भी शामिल होंगे। दोनों पेपर के बीच पालक भी केंद्र पर आएंगे। किसी भी केंद्र पर भीड़ न हो, इसलिए हर केंद्र पर प्रतिभागियों की संख्या कम रखी है। हालांकि बड़े परीक्षा केंद्रों पर डेढ़ सौ छात्र भी शामिल होंगे।

हर साल बदलता है एडवांस्ड का परीक्षा पैटर्न, टॉपिक अलग होते हैं

एक्सपर्ट विजित जैन के मुताबिक जेईई एडवांस्ड का स्तर हमेशा ही कठिन होता है, क्योंकि इसका पैटर्न कभी भी तय नहीं होता। जेईई एडवांस्ड हमेशा कोई आईआईटी ही आयोजित करता है। आईआईटी जैसे संस्थानों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए इसे कठिन ही रखा जाता है। हर तरह से छात्रों को परख सकें, इसलिए दो शिफ्ट में सवाल पूछे जाते हैं। दोनों ही शिफ्ट में फिजिक्स, केमेस्ट्री और मैथमेटिक्स विषयों के सवाल पूछे जाते हैं। पूछे जाने वाले टॉपिक अलग होते हैं।